पाठ 6

बूँद -बूँद ,दरिया -दरिया

सोचो और पता करो

प्रश्न 1. अपने स्कूल के आस-पास के इलाके को देखो। क्या वहाँ कच्चा मैदान, पक्की सड़कें, नालियाँ, आदि हैं। इलाका किस तरह का है? जैसे-ढलानवाला, पथरीला या किसी और तरह का। तुम्हें क्या लगता है, बारिश का पानी बहकर , कहाँ-कहाँ जाता होगा? जैसे-जमीन में, नालियों में, गड्ढों में आदि।
उत्तर: मेरे स्कूल के आस-पास पक्की सीमेंट से बनी सड़कें हैं। वह इलाका ढलान वाला ही है। बारिश का पानी कुछ ही देर में नालों से बहकर नदियों में चला जाता है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 54)

प्रश्न 1. क्या तुम्हारे यहाँ कभी पानी की किल्लत हुई है? अगर हुई है, तो उसका कारण बताओ।
उत्तर: हाँ, मेरे यहाँ पानी की किल्लत बहुत बार हुई है। जल विभाग के तकनीकी खराबी के कारण।

प्रश्न 2. अपनी दादी, नानी या किसी और बड़ी से बातचीत करो कि जब वे तुम्हारी उम्र की थीं, तब-

(क) घर में पानी कहाँ से आता था? क्या तब और अब में कोई बदलाव हुआ है?
उत्तर: उस समय पानी नदी, तालाब, कुआँ से आता था। अब पानी जल बोर्ड से आता है।

(ख) मुसाफिरों के लिए पानी का किस-किस तरह का इंतजाम होता था? जैसे प्याउ, मशक या कुछ और? आजकल सफर में लोग क्या करते हैं?
उत्तर: आजकल सफर में लोग बोतल में पानी ले कर चलते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 55)

पता करो

क्या तुम्हारे घर या स्कूल के आस-पास तालाब, कुआँ या बावडी बनी है? उसे देखने जाओ और पता भी करो।

प्रश्न 1. यह कितना पुराना है? किसने बनवाया होगा?
उत्तर: हाँ, मेरे घर के पास एक बहुत पुराना तालाब है। कुछ लोग कहते है कि यह हजारों साल पुराना है। यह यहाँ के राजा के द्वारा बनवाया गया है।

प्रश्न 2. इसके आस-पास किस तरह की इमारत बनी है?
उत्तर: इसके आस-पास पुरानी इमारत बनी हुई है।

प्रश्न 3. पानी साफ है या नहीं? क्या इसकी सफाई होती है?
उत्तर: पानी साफ नहीं है। इसकी सफाई बहुत दिनों पर होती है।

प्रश्न 4. यहाँ से कौन-कौन पानी भरता है?
उत्तर: यहाँ से कोई पानी नहीं भरता है।

प्रश्न 5. क्या कभी यहाँ कोई त्योहार मनाया जाता है?
उत्तर: हाँ, यहाँ छठ पर्व मनाया जाता है।

प्रश्न 6. पानी कहीं सूख तो नहीं गया?
उत्तर: इसका पानी कभी नहीं सूखता।।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 56)

चर्चा करो-पुनीता के मोहल्ले में दो पुराने कुँए हैं। उसकी दादी बताती हैं कि लगभग 15-20 साल पहले तक उसमें पानी था। क्या कुँए सूखने की कुछ वजह ये हो सकती हैं?
चर्चा करो

प्रश्न 1. कई जगह मोटर लगाकर जमीन का पानी निकाला जा रहा है।
तालाब जिनमें बारिश का पानी इकट्ठा होता था, अब नहीं रहे।
पेड़ों के आस-पास और पार्क मे भी जमीन को सीमेंट से पक्का कर दिया गया है।
क्या तुम कोई और वजह भी सुझा सकते हो?
उत्तर: इन सभी के अलावा और भी कई कारण हैं; जैसे—पेड़ों का बहुत ज्यादा कटना, कुँए का सही से देखरेख नहीं करना।

हाल की बात

प्रश्न 1. आज लोग पानी का इंतजाम किस-किस तरह से करते हैं। चित्र को देखकर चर्चा करो।
उत्तर: आज लोग पानी का इंतजाम निम्न तरीकों से करते हैं।
(क) हैंड पम्प से
(ख) पम्प के द्वारा
(ग) जल-बोर्ड के द्वारा।

प्रश्न 2. तुम्हारे यहाँ जिस तरह पानी आता है उस पर (✓) निशान लगाओ। अगर किसी अलग तरीके से आता है तो अलग से कॉपी में लिखो?
उत्तर: हमारे घर में पानी चित्र 1 में दिखाए गए साधन द्वारा आता है।

चर्चा करो

प्रश्न 1. जिंदगी का हक तो सभी का है। फिर जीने के लिए या पीने भर के लिए पानी मिल जाए क्या यह हर एक को मिल रहा है? ऐसा क्यों है कि कुछ लोगों को तो खरीदकर ही पानी पीना पड़ता है? पृथ्वी पर तो पानी सभी का है, साझा है। कुछ लोग गहरी बोरिंग करके जमीन के नीचे से ज्यादा पानी खींच लेते हैं यह कहाँ तक सही है। तुमने क्या ऐसा कहीं देखा है? कुछ लोगों को जल बोर्ड के पाइप में टुल्लु पंप क्यों लगाना पड़ रहा होगा? इससे दूसरे लोगों को परेशानी हो रही होगी? तुम्हारा क्या कुछ ऐसा अनुभव है?
उत्तर: हाँ, यह बिल्कुल सही है कि पीने का पानी सभी को मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता है। किसी को पानी खरीद कर पीना पड़ता है, गरीब लोगों को पानी मिलना और भी कठिन है। कुछ धनी आदमी बोरिंग करके ज्यादा पानी ले लेते हैं। गरीब लोगों को जल बोर्ड में टुल्लु पंप लगाना पड़ता है। मेरे मुहल्ले में बहुत से लोग जल बोर्ड के पाइप में पंप लगा कर बहुत पानी खींच लेते हैं। इससे दूसरे लोगों को परेशानी होती है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 58)

प्रश्न 1. यह बिल कौन-से दफ्तर से आता है?
उत्तर: यह बिल दिल्ली जल बोर्ड के दफ्तर से आता है।

प्रश्न 2. तुम्हारे यहाँ अगर बिल आता है तो कहाँ से आता है?
उत्तर: हाँ, मेरे यहाँ भी यह बिल आता है। यह बिल जल विभाग के दफ्तर से आता है।

प्रश्न 3. इस बिल में दिल्ली जल बोर्ड के नीचे दिल्ली सरकार क्यों लिखा होता है?
उत्तर: इस बिल में दिल्ली जल बोर्ड के नीचे दिल्ली सरकार इसलिए लिखा होता है क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड दिल्ली सरकार का है।

प्रश्न 4. बिल किसके नाम से है? कितने महीनों के कितने पैसे देने पड़ रहे हैं?
उत्तर: बिल मो. उमर और मो. शोएब के नाम से हैं। दो महीनों के 350 रु. देने पड़ रहे हैं यानि एक महीने के 175 रु. देने हैं।

प्रश्न 5. क्या तुम्हारे यहाँ पानी के पैसे चुकाने पड़ते हैं? क्या तुम्हारे यहाँ अलग-अलग इलाकों में पानी का रेट अलग है? बड़ों से पता करो।
उत्तर: हाँ, मेरे यहाँ पानी के पैसे चुकाने पड़ते हैं। अलग-अलग इलाकों में पानी का रेट अलग-अलग है। ग्रामीण इलाके में कम तथा शहरी इलाके में ज्यादा।

प्रश्न 6. तुमने इस तरह की क्या कोई खबर पढ़ी है? लोगों ने मिल कर पानी की परेशानी को कैसे दूर किया? क्या किसी पुराने तालाब या बावडी को फिर ठीक करके इस्तेमाल किया?
उत्तर: हाँ, मैंने इस तरह की खबर पढ़ी है। महाराष्ट्र के एक गाँव में लोगों ने एक पुराने तालाब को साफ करके उसमें पानी भर कर परेशानी को दूर किया।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 59)

हम क्या समझे

प्रश्न 1. पोस्टर बनाओ-पृथ्वी पर पानी सभी का है, साझा है। कुछ और ऐसे ही नारे सोचो और साथ ही चित्र भी बनाकर अपना एक सुन्दर पोस्टर बनाओ।
उत्तर:

प्रश्न 2. यह बिल किस तारीख तक का है?
उत्तर: यह बिल 7 जनवरी तक का है।

प्रश्न 3. इस बिल के लिए कितने पैसे भरने पड़ेंगे?
उत्तर: इस बिल के पचास रु. भरने पड़ेंगे।

प्रश्न 4. इनके अलावा बिल में और क्या-क्या देख पा रहे हो?
उत्तर: इस बिल में 35 रु. का शुल्क मरम्मत के लिए लगाया गया है।